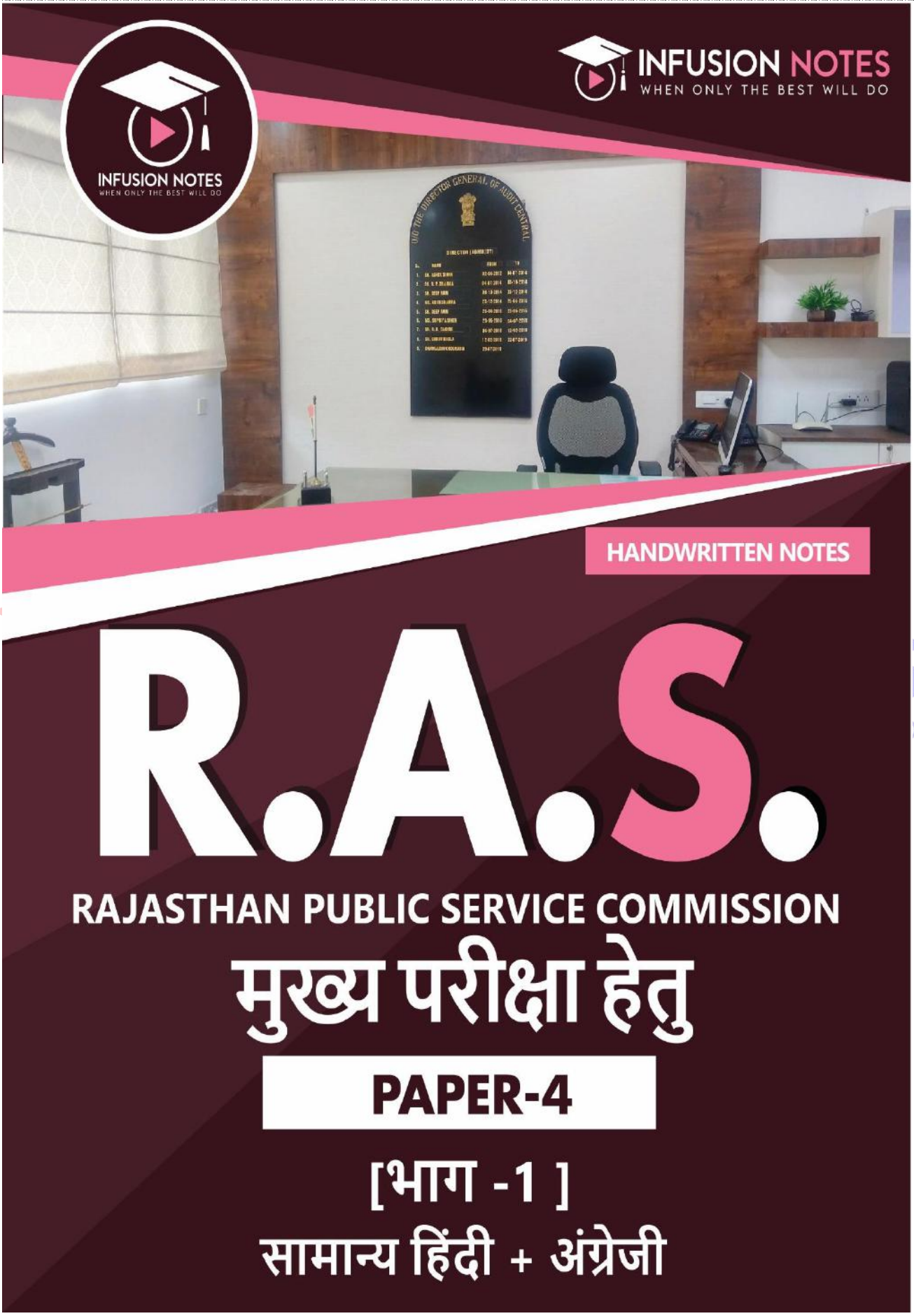
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
HANDWRITTEN NOTES
R.A.S.
RAJASTHAN PUBLIC SERVICE COMMISSION
मुख्य परीक्षा हेतु
PAPER-4
[भाग -1]
सामान्य हिंदी + अंग्रेजी

सामान्य हिन्दी एवं सामान्य अंग्रेजी

अध्याय – 1 संधि एवं संधि-विच्छेद - दिए हुए शब्दों की संधि करना और संधि-विच्छेद करना

अध्याय – 2 उपसर्ग - उपसर्गों से शब्दों की संरचना तथा शब्दों में से उपसर्ग एवं शब्द पृथक् करना

अध्याय – 3 प्रत्यय - दिए हुए प्रत्ययों से शब्द बनाना और शब्दों में से मूल शब्द एवं प्रत्यय पृथक् करना

अध्याय – 4 पर्यायवाची शब्द

अध्याय – 5 विलोम शब्द

अध्याय – 6 समश्रुत भिन्नार्थक शब्द-दिए हुए शब्द-युग्म का अर्थ-भेद

अध्याय – 7 वाक्यांश के लिए सार्थक शब्द

अध्याय – 8 शब्द शुद्धि

अध्याय – 9 वाक्य शुद्धि

अध्याय – 10 मुहावरे- मुहावरों का वाक्य में प्रयोग से अर्थ स्पष्ट, कहावत / लोकोक्ति- वाक्य में प्रयोग से अर्थ स्पष्ट

अध्याय – 11 पारिभाषिक शब्दावली- प्रशासन से संबंधित अंग्रेजी शब्दों के समानार्थ हिन्दी पारिभाषिक शब्द

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 12 संक्षिप्तीकरण

अध्याय – 13 पल्लवन - किसी सूक्ति, काव्य. पंक्ति, प्रसिद्ध कथन आदि का भाव विस्तार

अध्याय – 14 पत्र-लेखन - सामान्य कार्यालयी पत्र, कार्यालय आदेश, अदर्धशासकीय पत्र, अनुस्मारक प्रारूप-लेखन – अधिसूचना, निविदा, परिपत्र, विज्ञप्ति

अध्याय – 15 अनुवाद - दिए हुए अंग्रेजी अनुच्छेद का हिंदी में अनुवाद

अध्याय – 16 किसी सामयिक एवं अन्य विषय पर निबंध लेखन

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

General English

chapter – 1 Correction of Sentences: 10 sentences for correction with errors related to -

- Articles & Determiners
- Prepositions

chapter – 2 Tenses & Sequence of Tenses

chapter – 3 Modals verbs

chapter – 4 Voice- Active & Passive

chapter – 5 Narration- Direct & Indirect

chapter – 6 Synonyms & Antonyms

chapter – 7 Phrasal Verbs & Idioms

chapter – 8 One Word Substitute

chapter – 9 Words often Confused or Misused

Part B- Comprehension, Translation & Precis Writing

chapter – 10 Comprehension of an Unseen Passage

chapter – 11 Translation of five sentences from Hindi to English.

chapter – 12 Precis Writing (a short passage of approximately

Part C- Composition & Letter Writing (30 Marks)

chapter – 13 Paragraph Writing-

chapter – 14 Elaboration of a given theme

chapter – 15 Letter Writing or Report Writing

FREE SAMPLE

नोट -

प्रिय छात्रों, Infusion Notes के RAS MAINS के sample notes आपको पीडीऍफ़ format में "फ्री" में दिए जा रहे हैं और complete Notes आपको Infusion Notes की website या (Amazon/Flipkart) से खरीदने होंगे जो कि आपको hardcopy यानि बुक फॉर्मेट में ही मिलेंगें | किसी भी व्यक्ति को sample पीडीऍफ़ या complete Course की पीडीऍफ़ के लिए भुगतान नहीं करना है | अगर कोई ऐसा कर रहा है तो उसकी शिकायत हमारे Phone नंबर 8233195718, 0141-4045784 पर करें, उसके खिलाफ क़ानूनी कार्यवाई की जाएगी |

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – I

सन्धि एवं संधि विच्छेद- दिए हुए शब्दों की संधि करना और संधि-विच्छेद करना

- **प्रिय छात्रों, इस अध्याय में हम संधि को समझते हैं ,**
- **सन्धि का अर्थ होता हैं** - मेल और विलोम - विग्रह ।
- आपसी निकटता के कारण दो वर्णों के मेल से उत्पन्न विकार (परिवर्तन) को सन्धि कहते हैं।

  जैसे - हिम + आलय = हिमालय

  जगत् + नाथ = जगन्नाथ

  निः + धन = निर्धन

सन्धि के भेद -

1. स्वर सन्धि
2. व्यन्जन सन्धि
3. विसर्ग सन्धि

1. स्वर सन्धि

परस्पर स्वर का स्वर के साथ मेल होने पर जो विकार उत्पन्न होता है, उसे स्वर सन्धि कहते हैं।

जैसे - देव + आलय = देवालय

रमा + ईश = रमेश

एक + एक = एकैक

यदि + अपि = यद्यपि

भौ + उक = भावुक

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

स्वर सन्धि के भेद –

i. दीर्घ सन्धि
ii. गुण सन्धि
iii. वृद्धि सन्धि
iv. यण संधि
v. अयादि संधि

i. दीर्घ सन्धि –

नियम - यदि ह्रस्व या दीर्घ स्वर [अ इ उ] के बाद समान ह्रस्व या दीर्घ स्वर आए तो दोनों के स्थान पर दीर्घ एकादेश होता है।

जैसे- युग् + अन्तर - युगान्तर

युग् अ + अन्तर

युग् आन्तर

युगान्तर

युग् आन्तर

युग् अ+ अन्तर

युग + अन्तर

जैसे - हिम् + आलय = हिमालय

हिम् आ लय

हिम् अ + आलय

हिम + आलय

जैसे - राम + अवतार = रामावतार

तथा + अपि = तथापि

मुनि + इन्द्र = मुनीन्द्र (मुनियों में श्रेष्ठ हैं जो - विश्वामित्र)

कपि + ईश = कपीश (हनुमान, सुग्रीव)

लघु + उत्तम = लघूत्तम

FREE SAMPLE

लघु + ऊर्मि = लघूर्मि (छोटी लहर)

भू + ऊर्ध्व = भूर्ध्व

सु + उक्ति = सूक्ति

कटु + उक्ति = कटूक्ति

चमू + उत्थान = चमूत्थान (चमू = सेना)

गुरु + उपदेश = गुरूपदेश

वधू + उत्सव = वधूत्सव (वधू - जिसकी शादी की तैयारियां चल रही हो)

विद्या + अर्थी = विद्यार्थी

विद्या + आलय = विद्यालय

पंच + अमृत = पंचामृत

स्व + अधीन = स्वाधीन

दैत्य + अरि = दैत्यारि (देवता इन्द्र विष्णु)

सत्य + अर्थी = सत्यार्थी

प्रेरणा + आस्पद = प्रेरणास्पद

प्र + आंगन = प्रांगण

शश + अंक = शशांक (चन्द्रमा) [शश = खरगोश, अंकः गोद]

महती + इच्छा = महतीच्छा

फणी + ईश = फणीश (शेषनाग)

रजनी + ईश = रजनीश (चन्द्रमा)

<u>दीर्घ सन्धि की पहचान</u> –

दीर्घ सन्धि युक्त शब्दों में अधिकांशतः आ, ई, ऊ की मात्राएँ आती हैं और इनका विच्छेद इन्हीं मात्राओं से किया जाता है।

शक + अन्धु = शकन्धु

कर्क + अन्धु = कर्कन्धु

पितृ + ऋण = पितृण अपवाद

मातृ + ऋण = मातृण

विश्व + मित्र = विश्वामित्र
मूसल + धार = मूसलाधार
मनम् + ईषा = मनीषा
} अपवाद

युवत् + अवस्था = युवावस्था

(ii) गुण सन्धि-

नियम (1) - यदि अ/आ के बाद इ/ई आए तो दोनों के स्थान पर 'ए' हो जाता है अर्थात्

अ/आ + इ/ई = ए = ऐ

नियम (2) - यदि अ/आ के बाद उ/ऊ आए तो दोनों के स्थान पर 'ओ' हो जाता है अर्थात्

अ/आ + उ /ऊ = ओ = औ

नियम (3) – यदि अ/आ के बाद ऋ आये तो दोनों के स्थान पर 'अर्' हो जाता हैं हो जाता हैं | अर्थात

अ/आ + ऋ = अर्

	ए	ओ	+ अर्	= गुण
अ	इ	उ	ऋ	
+	+	+	+	
अ	इ	उ	ऋ	
=	=	=	=	
आ	ई	ऊ	x	- दीर्घ

जैसे - गज + इन्द्र = गजेन्द्र

गज् + अ + इन्द्र

गज् एन्द्र

गजेन्द्र

गज् ए न्द्र

गज् अ + इन्द्र

गज + इन्द्र

जैसे- मृग + इन्द्र = मृगेन्द्र (शेर)

रमा + ईश = रमेश (लक्ष्मी का पति है जो = विष्णु)

सुर + ईश = सुरेश (देवताओं का स्वामी = इन्द्र)

नर + ईश = नरेश (राजा)

पर + उपकार = परोपकार

यथा + उचित = यथोचित (जितना उचित हो)

यथा + इच्छा = यथेच्छा (इच्छानुसार)

पुरुष + उत्तम = पुरुषोत्तम (मनु)

नर + उत्तम = नरोत्तम

कथा + उपकथन = कथोपकथक

गंगा + ऊर्मि = गंगोर्मि

महा + उदय = महोदय

सह + उदर = सहोदर (सगा भाई)

नव + ऊढ़ा = नवोढ़ा (नवविवाहिता) ऊढ़ा - युवती

राका + ईश = राकेश (रात का स्वामी = चन्द्रमा)

गुड़ाका + ईश = गुड़ाकेश (नींद का स्वामी = शिव, अर्जुन)

हृषीक + ईश = हृषीकेश (इन्द्रियों का स्वामी = विष्णु)

उमा + ईश = उमेश (शिव)

धन + ईश = धनेश (कुबेर)

हृदय + ईश = हृदयेश (कामदेव)

देव + ईश = देवेश (इन्द्र)

महा + इन्द्र = महेन्द्र (शिव)

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अपवाद = प्र+ ऊढ = प्रौढ

अक्ष+ऊहिनी = अक्षौहिणी (विशाल सेना)

ऋ. र् ष् - न्
↓
ण्

जैसे - राम + अयन = रामायण

प्र + मान = प्रमाण

शूर्प + नखा = शूर्पणखा

लक्ष् + मन = लक्ष्मण

जैसे- देव + ऋषि = देवर्षि

देव् + अ + ऋषि

देव् अर् षि

↘ देवर्षि

सप्त + ऋषि = सप्तर्षि

कण्व + ऋषि = कण्वर्षि

ग्रीष्म + ऋतु = ग्रीष्मर्तु

महा + ऋषि = महर्षि

राजा + ऋषि = राजर्षि

ब्रह्म + ऋषि = ब्रह्मर्षि

वर्षा + ऋतु - वर्षर्तु

महा + ऋण = महर्ण

<u>गुण सन्धि की पहचान –</u>

गुण सन्धि युक्त शब्दों में अधिकांशतः ए, ओ की मात्राएँ या र् आता है र् और इनका विच्छेद इन्हीं मात्राओं से.....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , **यह एक sample मात्र है** यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है, इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **RAS मुख्य परीक्षा के** कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यह तो एक sample मात्र ही है/ **RAS मुख्य परीक्षा के** कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , धन्यवाद/

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स के अन्य परीक्षाओं में रिजल्ट (Result)-

RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में से 73/74 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबरकी दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

राजस्थान SI 2021 की परीक्षा कि परीक्षा में भी कई प्रश्न आये हैं -

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (InfusionNotes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

FREE SAMPLE

अध्याय – 4

पर्यायवाची शब्द (SYNONYMS)

इसे प्रतिशब्द भी कहते हैं। जिन शब्दों के अर्थ में समानता होती है, उन्हें हम पर्यायवाची शब्द अथवा प्रतिशब्द कहते हैं। हिन्दी में तत्सम पर्यायवाची शब्द ही अधिक पाए जाते हैं जो संस्कृत से हिन्दी में आए हैं। हिन्दी में तद्भव पर्यायवाची शब्दों का अभाव है। कुछ प्रमुख पर्यायवाची शब्दों के उदाहरण नीचे दिये जा रहे हैं –

अ)

शब्द	**पर्याय**
अमृत-	पीयूष, सुधा, अमी
अंग-	अवयव, भाग, हिस्सा, अंश, खंड।
अग्नि-	आग, पावक, अनल, वहिन, हुताशन, कृशानु, वैश्वानर।
अनी-	सेना, फौज, चमू, कटक, दल।
असुर-	दनुज, दानव, दैत्य, राक्षस, निशिचर, निशाचर, रजनीचर।
अरण्य-	जंगल, वन, कानन, विपिन।
अश्व-	घोड़ा, वाजि, हय, घोटक, तुरग।
अंकुर-	अँखुआ, कोंपल,कल्ला,नवोद्भिद्/
अंचल-	पल्ला, पल्लू, आँचल।
अंत-	समाप्ति, अवसान, इति, उपसंहार
अंत-	फल, अंजाम. परिणाम. नतीजा।

शब्द	**पर्याय**
अचल-	पर्वत, पहाड़, गिरि, शैल, स्थावर।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अचला- पृथ्वी, धरती, धरा, भू, इला, अवनी

अतिथि- अभ्यागत, मेहमान, पाहुना ।

अधर-- ओंठ, ओष्ठ, लब, रद्द-पट, होंठ ।

अनंग- कामदेव, मदन, मनोज, मयन, मन्मथ ।

अनल- 'अग्नि' ।

अनाज- अन्न, धान्य, शस्य ।

अनिल- हवा, वायु, पवन, समीर, वात, मरुत् ।

अनुकम्पा- कृपा, मेहरबानी, दया ।

अन्वेषण- अनुसन्धान, खोज, शोध, जाँच ।

अपना- निज, निजी, व्यक्तिगत ।

अपर्णा- पार्वती, शिवा, उमा, भवानी, भैरवी

अपमान- तिरस्कार, अनादर, निरादर ।

अप्सरा- देवांगना, सुरबाला, सुरनारी, सुरकन्या, देवबाला, देवकन्या ।

अबला- नारी, गृहिणी, महिला, औरत, स्त्री

अभय- निर्भय, निर्भीक, निडर, साहसी ।

अभिप्राय- तात्पर्य, आशय, मंतव्य ।

अभिमान- गर्व, गौरव, नाज ।

अभिलाषा- इच्छा, कामना, मनोरथ, आकांक्षा

अमर- अक्षय, अनश्वर, अविनाशी, मृत्युंजय ।

अर्चना- प्रार्थना, आराधना, स्तुति, पूजा ।

अर्जुन- पार्थ, धनञ्जय, भारत, कौन्तेय ।

अवनी- देखिए 'अचला' ।

अवस्था- उम्र, वय, आयु ।

अश्रु- आँसू, नेत्राम्बु, चक्षुजल, नेत्र, जल ।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अहि- सर्प, नाग, भुजंग, साँप, तक्षक ।

(आ)

आँख- नयन, नेत्र, लोचन, चक्षु, दृग ।

आम- आम्र, रसाल, चूत, सहकार, अमृतफल ।

आग- अग्नि ।

आकाश- व्योम, गगन, अम्बर, नभ, आसमान, अनन्त ।

आनन्द- मोद, प्रमोद, आमोद, हर्ष, आह्लाद, उल्लास ।

आकांक्षा- अभिलाषा ।

आँधी- तूफान, अंधड़, बवंडर ।

शब्द पर्याय

आँसू- अश्रु ।

आखेट- मृगया, शिकार ।

आज्ञा- अनुमति, हुक्म, आदेश, कहना ।

आत्मज- बेटा, पुत्र, सुत, तनुज ।

आत्मा- सह, अंतर, अंतरात्मा, अभ्यंतर ।

आदमी- मनुष्य, मानव, मनुज, मानुष, इन्सान ।

आदित्य- दिनकर, दिवाकर, प्रभाकर, रवि, सूर्य, दिनेश, भानु ।

आधुनिक- नूतन, नवीन, नया, नवल ।

आभा- चमक, कांति, दीप्ति, प्रकाश ।

आराम- विश्राम, विश्रांति, चैन, राहत ।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

आर्त- दुखी, उद्वितन, खिन्न, क्षुब्ध, कातर, संतप्त, पीड़ित ।

आर्यावर्त्त- भारत, हिन्द, हिन्दुस्तान, इंडिया ।

आस्था- आदर, महत्व, मानं, कद्र ।

आहार- भोजन, खुराक, खाना ।

इ-ई

इंदिरा- कमला, रमा, लक्ष्मी, श्री, विष्णुप्रिया ।

इंदीवर- पंकज, जलज, नीरज, कमल, राजीव, उत्पल ।

इंदु- चाँद, राकेश, चन्द्रमा, सुधाकर, चन्द्र, निशाकर, हिमांशु, सुधांशु, राकापति, विधु, शशि,तारापति, मृगांक ।

इच्छा- अभिलाषा' ।

इन्द्रदेवराज- सुरपति, महेन्द्र, मेघराज, पुरन्दर, मघवा, शचीपति, विष्णु ।

इन्द्राणी- शची, पुलोमजा, इन्द्रवधू, इन्द्रप्रिया

इत्यादि- आदि, वगैरह, प्रभृति ।

ईर्ष्या- डाह, जलन, मत्सर, कुढ़न ।

ईश- ईश्वर, प्रभु, परमात्मा, भगवान्, परमपिता, परमेश्वर ।

ईश्वर- ईश'।

ईहा- इच्छा, आकांक्षा, एषणा, ईप्सा, चाह, कामना, स्पृहा, वांछा ।

उ – ऊ

उजाला- प्रकाश, ज्योति, प्रभा, आभा, रोशनी ।

उत्पल- 'इन्दीवर' ।

उत्पत्ति- जन्म, पैदाइश, उद्भव ।

उत्सव- पर्व, आयोजन, समारोह, त्यौहार ।

उत्साह- हौसला, उमंग, जोश ।

उदधि- सागर, समुद्र, सिन्धु, जलधि, पयोधि, नदीश ।

शब्द पर्याय

उद्यान- उपवन, बाग, बगीचा ।

ऊँचा- उच्च, उत्तुंग, शीर्षस्थ, उन्नत ।

(ऋ-ए-ऐ-ओ-औ)

ऋषि- मनीषी, मुनि, साधु, महात्मा ।

एषणा- 'इच्छा'।

ऐश्वर्य- वैभव, संपन्नता, समृद्धि ।

ओंठ- अधर' ।

औरत- स्त्री, वामा, महिला, वनिता, रमणी, अंगना ।

(क)

कमल- पद्म, अरविन्द, सरोज, जलज, कंज, सरसिज, उत्पल, वारिज, नलिन ।

कामदेव- अनंग' ।

किरण- अंशु, कट, रश्मि, मयूख, मरीचि ।

कुबेर- धनद, धनाधिप, यक्षराज, किनरेश

कच- कमल' ।

कंचन- स्वर्ण, कनक, हेम, सोना, हिरण्य ।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , **यह एक sample मात्र है** यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है, इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **RAS मुख्य परीक्षा के** कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यह तो एक sample मात्र ही है/ **RAS मुख्य परीक्षा के** कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , धन्यवाद/

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स के अन्य परीक्षाओं में रिजल्ट (Result)-

RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में से 73/74 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबरकी दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

राजस्थान SI 2021 की परीक्षा कि परीक्षा में भी कई प्रश्न आये हैं -

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (InfusionNotes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

FREE SAMPLE

अध्याय – 9

वाक्य-शुद्धि

शब्द शुद्धि के साथ वाक्य शुद्धि का भी भाषा में महत्त्वपूर्ण स्थान होता है। वाक्य में अनावश्यक शब्द प्रयोग से, अनुपयुक्त शब्द के प्रयुक्त होने से, सही क्रम या अन्विति न होने से, लिंग, वचन, कारक का सही प्रयोग नहीं होने से, सही सर्वनाम एवं क्रिया का प्रयोग न होने से वाक्य अशुद्ध हो जाता है। जो अर्थ के साथ भाषा सौन्दर्य को हानि पहुंचाता है।

I. अनावश्यक शब्द के कारण वाक्य अशुद्धि :

समान अर्थ वाले दो शब्दों या विपरीत अर्थ वाले शब्दों के एक साथ प्रयोग होने तथा एक ही शब्द की पुनरावृत्ति पर वाक्य अशुद्ध हो जाता है। अतः किसी एक अनावश्यक शब्द को हटाकर वाक्य शुद्ध बनाया जा सकता है। इनमें दोनों शब्दों में से किसी एक को हटाना होता है। अतः दोनों रूपों में वाक्य सही हो सकता है। यहाँ एक रूप ही देंगे।

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
1. मैं प्रातः काल के समय पढ़ता हूँ।	1. मैं प्रातः काल पढ़ता हूँ।
2. जज ने उसे मृत्यु दण्ड की सजा दी।	2. जज ने उसे मृत्यु दण्ड दिया।
3. इसके बाद फिर क्या हुआ ?	3. इसके बाद क्या हुआ ?
4. यह कैसे सम्भव हो सकता है ?	4. यह कैसे संभव है ?
5. मेरे पास केवल मात्र एक घड़ी है।	5. मेरे पास केवल एक घड़ी है।
6. तुम वापस लौट जाओ।	6. तुम वापस जाओ।
7. सारे देश भर में यह बात फैल गई।	7. सारे देश में यह बात फैल गई।
8. वह सचिवालय कार्यालय में लिपिक है।	8. वह सचिवालय में लिपिक है।
9. विन्ध्याचल पर्वत हिमालय से प्राचीन है।	9.विन्ध्याचल हिमालय से प्राचीन है।
10. नौजवान युवक युवतियों को आगे आना चाहिए।	10. नौजवानों को आगे आना चाहिए।

FREE SAMPLE

11. किसी और दूसरे से परामर्श लीजिए।	11. किसी और से परामर्श लीजिए।
12. सप्रमाण सहित उत्तर दीजिए।	12. सप्रमाण उत्तर दीजिए।
13. गुलामी की दासता बुरी है।	13. गुलामी बुरी है।
14. प्रशान्त बहुत सज्जन पुरुष है।	14. प्रशान्त बहुत सज्जन है।
15. शायद आज वर्षा अवश्य आयेगी।	15. शायद आज वर्षा आयेगी।
16. शायद वह जरूर उत्तीर्ण हो जायेगा।	16. वह जरूर उत्तीर्ण हो जायेगा।
17. कृपया शीघ्र उत्तर देने की कृपा करें।	17. कृपया शीघ्र उत्तर दें।
18. वह गुनगुने गरम पानी से नहाता है।	18. वह गुनगुने पानी से नहाता है।
19. गरम आग लाओ।	19. आग लाओ।
20. तुम सबसे सुन्दरतम हो।	20. तुम सबसे सुन्दर हो।

2. अनुपयुक्त शब्द के कारण :

वाक्य में अनुपयुक्त शब्द प्रयुक्त हो जाने से भी वाक्य अशुद्ध हो जाता है अतः अनुपयुक्त शब्द हटाकर उस स्थान पर उपयुक्त शब्द का प्रयोग करना चाहिए।

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
1. सीता राम की स्त्री थी।	1. सीता राम की पत्नी थी।
2. रातभर गधे भौंकते रहे।	2. रातभर कुत्ते भौंकते रहे।

नोट – प्रिय पाठकों , **यह एक sample मात्र है** यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है, इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **RAS मुख्य परीक्षा के** कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यह तो एक sample मात्र ही है/ **RAS मुख्य परीक्षा के** कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , धन्यवाद/

FREE SAMPLE

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स के अन्य परीक्षाओं में रिजल्ट (Result)-

RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में से 73/74 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबरकी दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

राजस्थान SI 2021 की परीक्षा कि परीक्षा में भी कई प्रश्न आये हैं -

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (InfusionNotes) पर इसकी वीडियो देंखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 10

मुहावरे तथा लोकोक्तियाँ / कहावतें

मुहावरा :- मुहावरा बात कहने की एक शैली है। यह अरबी भाषा के 'मुहावर' शब्द से बना है, जिसका शाब्दिक अर्थ है- अभ्यास करना या बातचीत "लक्षणा व व्यंजना द्वारा वह शुद्ध वाक्य जो किसी बोली जाने वाली भाषा में प्रचलित होकर रूढ़ हो गया हो तथा प्रत्यक्ष अर्थ के बजाय सांकेतिक अर्थ देता हो ।"

"मुहावरा" कहलाता है, जैसे खिचड़ी पकाना, लाठी खाना, नाम धरना आदि ।

मुहावरों की निम्न विशेषता में होती हैं :-

1. मुहावरों का शाब्दिक अर्थ नहीं, बल्कि (सांकेतिक) अवबोधक अर्थ लिया जाता है । जैसे 'खिचड़ी पकाना' इसका शाब्दिक अर्थ होगा खिचड़ी बनाना, परन्तु मुहावरे के रूप में सांकेतिक अर्थ होगा । षड्यंत्र करना ।
2. मुहावरे का अर्थ प्रसंग के अनुसार होता है, जैसे 'लड़ाई में खेत आना' इसका अर्थ है युद्ध में शहीद हो जाना। न कि लड़ाई के स्थान पर मिलने खेत पर चले आना।
3. मुहावरे का मूल रूप कभी नहीं बदलता अर्थात् मुहावरे का स्वरूप स्थिर होता है, अन्यथा मुहावरा नष्ट हो जाता। जैसे 'कमर टूटना' एक मुहावरा है इसके स्थान पर 'कति भंग' शब्द का प्रयोग नहीं किया जा सकता ।
4. हिन्दी के अधिकांश मुहावरों का सीधा संबंध शरीर के विभिन्न अंगो यथा - मुँह, कान, नाक हाथ, पाँव आँख, सिर आदि से होता है, जैसे मुँह की खाना, कान खड़े होना।
5. मुहावरा भाषा की समृद्धि तथा सभ्यता के विकास का मापक होता है।

मुहावरों का महत्त्व:-

(i) भाषा को सजीव बनाते हैं।

(ii) कथन को प्राणयुक्त एवं प्रभावपूर्ण बनाते हैं।

(iii) भाषा में सरलता एवं सरसता उत्पन्न करते हैं।

FREE SAMPLE

(iv) भाषा में प्रवाह व चमत्कार उत्पन्न करते हैं।

(v) भाषा को समृद्ध बनाते हैं।

मुहावरों के प्रयोग में सावधानियाँ:-

1. पहले मुहावरा फिर उसका अर्थ तथा अगली लाइन से वाक्य प्रयोग करना चाहिए, जैसे

   बात का धनी - वायदे का पक्का

   मैं जानता हूँ कि वह बात का धनी है।

2. मुहावरे का वाक्य प्रयोग करते समय तुलना नहीं करनी चाहिए, जैसे- के सामान, की तरह, के पैसा आदि शब्दों का प्रयोग नहीं । यथा -

   अँधे की लकड़ी - एक मात्र सहारा (x)

   अपने वृद्ध माता पिता का एक मात्र संतान मोहन उनके लिए अँधे की लकड़ी के समान है।

3. मुहावरों को कहीं भी डाल देना गलत है, बल्कि कारण बताते हुए कार्य बताना है।
4. घिसे- पिटे वाक्य प्रयोग से बचना चाहिए । (पाक, चीन x)
5. वाक्य प्रयोग का संदर्भ यथा संभव छोटा रखना चाहिए।
6. वाक्य प्रयोग में मुहावरे का प्रयोग करना होता है न कि उसके अर्थ का।
7. मुहावरे को एक वाक्य में लिखना चाहिए, जैसे:

   टेढ़ी खीर होना - कठिन काम होना ।

   अपने देश में भ्रष्टाचार की जड़े इतनी गहरी हो गई हैं कि इसे खत्म करना टेढ़ी खीर हो गई है।

लोकोक्तियाँ / कहावतें

लोकोक्ति का अर्थ है 'लोक समाज में कही जाने वाली उक्तियाँ' तथा कहावत का अर्थ है 'कही जाने वाली बात ।'

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

ऐसा वाक्य जो चमत्कृत ढंग से संक्षेप में, किसी सत्य या नीति का आशय, सशक्त रूप से व्यक्त करे तथा अधिक समय तक प्रयोग में आकर जनजीवन में प्रचलित हो गया हो लोकोक्ति/ कहावत कहलाती है।

लोकोक्तियों / कहावतों की निम्न विशेषताएं होती है :

1. लोकोक्तियाँ / कहावतें प्रत्यक्ष अर्थ नहीं बल्कि सांकेतिक अर्थ देते हैं।
2. लोकोक्तियाँ / कहावतों में जीवन के गहरे तथा मूल्यावान अनुभव छिपे रहते हैं, इसलिये इन्हें ज्ञान की पितरियाँ कहा जाता है।
3. लोकोक्तियाँ / कहावतें एक व्यक्ति से सम्बन्धित न होकर 'जन साधारण की धरोहरें' होती है।

लोकोक्तियों / कहावतों का महत्व

1. बोली को अधिक प्रमाणिक तथा जोरदार बनाती है।
2. भाषा स्पष्ट तथा जीवन्त से उड़ता है।
3. भाषा को सुन्दर बनाने के साथ-साथ जीवन को सीख भी देते हैं ।
4. इनमें गहरे व मूल्यवान अनुभव छिपे रहते हैं।
5. अलंकार शास्त्र में 'लोकोक्ति अलंकार' नाम से प्रसिद्ध ।

लोकोक्तियों/ कहावतों के प्रयोग में सावधानियाँ :-

(1) कहावतों का वाक्य प्रयोग $2\frac{1}{2} - 3$ लाइन में देना चाहिए ।

(2) पहले प्रकरण देना है फिर कहावत । प्रकरण ऐसा होना चाहिए जो कहावत सिद्ध करे ।

(3) प्रकरण समाप्त होने पर - ठीक ही कहा गया है - यह तो वही बात हुई - यहाँ यह बात चरितार्थ होती है ।

आदि शब्दों का प्रयोग करते हुए कहावतों को जोड़ना चाहिए ।

मुहावरा तथा लोकोक्ति की पहचान :-

(i) 95% मुहावरों के अन्त में 'ना' आता है।

(ii) मुहावरों के अन्त में क्रिया होती है।

FREE SAMPLE

(iii) 95% मुहावरों का सम्बन्ध शरीर के विभिन्न अंगों से होता है।

(iv) मुहावरे छोटे होते हैं, लोकोक्तियाँ बड़ी।

(v) लोकोक्तियों । कहावतों में कोई न कोई शिक्षा होती है।

मुहावरा तथा लोकोक्ति में अन्तर

क्र. स.	मुहावरा	लोकोक्ति
1.	मुहावरे वाक्यांश हैं	लोकोक्ति पूर्ण वाक्य
2.	मुहावरों का स्वतंत्र प्रयोग नहीं हो सकता ।	कहावतों का स्वतंत्रत प्रयोग होता है।
3.	मुहावरों का अर्थ बिना वाक्य प्रयोग के स्पष्ट नहीं होता	लोकोक्तियाँ अपने आप में अर्थ पूर्ण होती हैं।
4.	मुहावरा एक पक्षीय होता है अर्थात् भाषा को सुन्दर बनाता है	लोकोक्तियाँ भाषा को सुन्दर बनाने के साथ-साथ सीख भी देती है ।
5.	मुहावरा छोटा होता है तथा भाव को उद्दीप्त करता है।	लोकोक्तियाँ बड़ी होती है तथा स्वयं में भावपूर्ण होती हैं।
6.	मुहावरों की क्रिया काल, वचन, तथा लिंग के अनुसार बदल जाती है।	लोकोक्तियों पर काल, वचन, लिंग का कोई प्रभाव नहीं पड़ता अर्थात् जस की तस रहती है।
7.	मुहावरा (भाषा) पर आधारित होता हैं ।	लोकोक्ति बोली पर आधारित होती है।
8.	मुहावरों का प्रयोग अपेक्षाकृत (पढ़ा-लिखा) समाज अधिक करता हैं ।	लोकोक्तियों का प्रयोग अपेक्षाकृत ग्रामीण समाज में अधिक होता है।
9.	ये मुख्यतः गद्य रूप में होते हैं तथा सामान्यतः मौखिक साथ - साथ लिखित रूप में प्रयुक्त होतें हैं।	ये मुख्यतः पद्य रूप में होते हैं तथा सामान्यतः मौखिक रूप में अधिक प्रयुक्त होते हैं।

FREE SAMPLE

10. मुहावरों के उद्भव व विकास की लोकोक्तियों के उद्भव व विकास की दिशा ऊपर से नीचे की ओर होती दिशा नीचे से ऊपर की होती हैं। हैं।

अपना उल्लू सीधा करना	=	स्वार्थ सिद्ध करना
1. अपनी खिचड़ी अलग पकाना	=	सबसे अलग रहना
2. अपने मुँह मिया मिट्ठू बनना	=	अपनी प्रशंसा स्वयं करना
3. अपने पाँव पर कुल्हाड़ी मारना	=	स्वयं को हानि पहुँचाना
4. अपने पैरों पर खड़े होना	=	आत्मनिर्भर होना
5. अक्ल पर पत्थर पड़ना	=	बुद्धि भ्रष्ट होना
6. अक्ल के पीछे लट्ठ लेकर फिरना	=	मूर्खता प्रदर्शित करना

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , **यह एक sample मात्र है** यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है, इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **RAS मुख्य परीक्षा के** कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यह तो एक sample मात्र ही है/ **RAS मुख्य परीक्षा के** कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , धन्यवाद/

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स के अन्य परीक्षाओं में रिजल्ट (Result)-

RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में से 73/74 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबरकी दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

राजस्थान SI 2021 की परीक्षा कि परीक्षा में भी कई प्रश्न आये हैं -

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (InfusionNotes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें ।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

भाग – ब

अध्याय – 12

संक्षिप्तीकरण

संक्षिप्तीकरण या संक्षेपीकरण अथवा संक्षेपण प्रेसी (Precis) का भाषा अनुवाद है। लैटिन भाषा के प्रेसीडर (Praecidere) से प्रेसी शब्द बना है जिसका अर्थ होता है काँट-छाँट कर छोटा रूप करना। संक्षिप्तीकरण या संक्षेपीकरण शब्द इसी अर्थ में प्रयुक्त होता है। संक्षेपीकरण की तरह सारांश, सरलीकरण, भावार्थ, मुख्यार्थ, आशय आदि में भी संक्षिप्त रूप में लिखने पर बल दिया जाता है, पर संक्षेप इनसे स्वतंत्र कला है। इसकी अपनी शैली है।

इसका यानि **संक्षेपण का अर्थ है संक्षिप्त या छोटा करना होता है**. किसी अनुच्छेद, परिच्छेद, विस्तृत कथा अथवा प्रतिवेदन को जितने कम से कम शब्दों में प्रस्तुत किया जाए जिसमें उस विषय का पूर्ण भाव एवं उद्देश्य स्पष्ट हो सके को उसे संक्षेपण कहते हैं. सरल तरीके से हम यह कह सकते हैं कि अनावश्यक बातों को लगभग हटाकर एक तिहाई शब्दों में उसकी आवश्यक एवं महत्वपूर्ण बातों को व्यक्त कर देना को ही संक्षेपण कहते है ।

संक्षिप्तीकरण वह कला है जिसके द्वारा किसी वक्तव्य को, किसी विषय को कम-से-कम शब्दो में प्रस्तुत करने पर भी स्वयं में पूर्ण हो। उसमें मूल का न कोई अंश छूटता है और न ही उसके अनिवार्य आशय को समझने में कोई कमी आती है।

संक्षेपक संक्षिप्तीकरण करते समय औचित्य के लिए मूल अवतरण या विषय के क्रम में परिवर्तन करके उसे अधिक संगत बना देता है। इसके साथ ही संक्षिप्तीकरण करते समय वाक्यों की संगति और संबंध रखना भी आवश्यक होता है जिससे विचारों के तारत्य में अन्तर न आ जाए। तात्पर्य यह है कि संक्षिप्तीकरण वह कला या रचना है जिसमें किसी

वक्तव्य, लेख आदि में व्यक्त भावों को मूल की अपेक्षा कम शब्दों में प्रतिपादित किया जाए। संक्षिप्तीकरण में मूल का लगभग एक तिहाई भाग होता है।

उपयोगिता

संक्षिप्तीकरण की कला की अपनी उपयोगिता है। इस कला से विद्यार्थी में स्वतंत्र निर्णय लेने की योग्यता बढ़ती है। वह असार छोड़कर सार ग्रहण करने में समर्थ होता है। किंतु इसके लिए अभ्यास की परम आवश्यकता है। संक्षिप्तीकरण से भाषा लिखने का सामर्थ्य आता है। संक्षिप्तीकरण से लेखक की योग्यता का विकास होता है। संक्षिप्तीकरण कार्यालयों में कार्यप्रणाली का प्रमुख हिस्सा है। इसके बिना कार्यालय का काम-काज ठप्प हो सकता है। पत्रकारों और संवाददाताओं के लिए भी इस कला का बहुत महत्त्व है।

संक्षेपण के प्रकार (Type of Critical Precis)

- समाचार का संक्षेपण – हर एक समाचारों के संक्षेपण में तिथि, स्थान तथा संबंध रखने वाले व्यक्तियों के नाम का उल्लेख किया जाना चाहिए अर्थात इस प्रकार के संक्षेपणों में शीर्षक प्रभावी होना चाहिए ।
- संवाद का संक्षेपण – हर एक संवाद का संक्षेपण आवश्यक नहीं होता. स्पष्ट दिखाई देनेवाला कथन को जो दिखाई न दे उस कथन में रहना चाहिए. उद्धरण चिह्नों (“ ”) को हटा देना चाहिए तथा संज्ञा के स्थान पर सर्वनाम का प्रयोग करना चाहिए.
- पत्राचारों का संक्षेपण – सभी कार्यालयों में पत्राचारों के संक्षेपण की आवश्यकता होती है ।

संक्षिप्तीकरण के गुण

व्यावहारिक जगत में, विविध कार्यालयों में, प्रेस कांफ्रेंस आदि में विस्तृत वक्तव्य या अवतरण की रूपरेखा संक्षिप्त करना आजकल आवश्यक है। संक्षिप्तीकरण के अभाव में ऐसा करना असंभव है। इसके लिए आधारभूत निम्न गुण कहे गए हैं।

1. पूर्णता : संक्षिप्तीकरण अपने आप में पूर्ण होना चाहिए। पढ़ने के बाद ऐसा लगना चाहिए कि उसका कोई मुद्दा छूटा नहीं है।

2. संक्षिप्तता : संक्षिप्तीकरण करते समय मूल अवतरण के दृष्टांत, व्याख्या और अलंकारिकता आदि उससे अलग कर देने चाहिए। साधारणतः संक्षिप्तीकरण का एक तिहाई भाग स्वीकृत माना जाता है।
3. स्पष्टता : संक्षिप्तीकरण का पाठक मूल अनुच्छेद नहीं पढ़ता, इसलिए इसमें कोई मुद्दा नहीं छूटना चाहिए। अगर इसमें व्यर्थ का विस्तार किया जाता है तो इससे अस्पष्टता आ जाती है।
4. तारतम्य : अच्छे संक्षिप्तीकरण में एक तारतम्य होना चाहिए। विचारों में असम्बद्धता नहीं होनी चाहिए। इसमें एकसूत्रता होनी चाहिए। प्रत्येक वाक्य में श्रृंखलाबद्धता होनी चाहिए जिससे क्रम में हानि न हो।
5. प्रभावोत्पादकता : मूल अवतरण के बिखरे क्रम में परिवर्तनकर उसे प्रभावोत्पादक बनाया जाता है। यह अच्छे संक्षेपक का गुण है। भावों की क्रमबद्धता अच्छे संक्षिप्तीकरण में प्रभाव पैदा करने की क्षमता रखती है।
6. सारता : अच्छा संक्षिप्तीकरण मूल अवतरण का सारमात्र होना चाहिए, अतः अनुच्छेद से न कुछ कम होना चाहिए और न विस्तार होना चाहिए।

इन तत्त्वों के अतिरिक्त संक्षिप्तीकरण अप्रत्यक्ष कथन शैली में किया जाना चाहिए, मूल अनुच्छेद के शब्दों तथा वाक्यों का प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए। आकार की वृद्धि रोकने के लिए मुहावरे, लोकोक्तियाँ व दृष्टांत आदि निकाल देने चाहिए। विशेषणों और क्रिया विशेषणों को हटा देना चाहिए। टीका-टिप्पणी निकाल देनी चाहिए। भूमिका व उपसंहार आदि का भी महत्त्व नहीं है।

इस प्रकार इन सब तत्त्वों या गुणों को ध्यान में रखकर संक्षिप्तीकरण करना चाहिए।

संक्षिप्तीकरण की विधि

संक्षिप्तीकरण करते समय संक्षिप्तीकरण लेखक को इसके गुणों को ध्यान में रखना चाहिए और लिखने के लिए पूर्ण मनोयोग के साथ बैठना चाहिए। संक्षेपक संक्षिप्तीकरण करते समय निम्नलिखित विधि अथवा प्रणाली अपना सकता है:-

1. मूल अनुच्छेद का पठन : संक्षिप्तीकरण करते समय संक्षेपक को मूल अवतरण को कम-से-कम तीन बार पढ़ना चाहिए। पढ़ते हुए उसे विशिष्ट वाक्यों को रेखांकित कर लेना चाहिए अथवा असार वाक्यों को रेखांकित करना चाहिए। अगर किसी शब्द का ज्ञान नहीं है तो उसे शब्द कोश का आश्रय लेना चाहिए।

2. शीर्षक का चुनाव : प्रायः शीर्षक अवतरण के केन्द्रीय भाव से जुड़ा होता है। यह आकार में लघु होना चाहिए अथवा कुछ शब्दों में होना चाहिए। यह एक पंक्ति से बड़ा नहीं होना चाहिए। यह कथ्य के साथ मेल खाने वाला होना चाहिए। इस शीर्षक में गंभीरता होनी चाहिए। यदि आवश्यक हो तो संक्षेपक दो-तीन शीर्षक का चुनाव कर सकता है और उसमें भी सबसे उपयुक्त का चुनाव कर सकता है।

शीर्षक प्रायः अनुच्छेद के आरम्भ में एक शब्द से सूचित होता है। कभी-कभी यह भूमिका अथवा उपसंहार में होता है। कभी शीर्षक अवतरण के मध्य होता है। कभी यह अवतरण के अन्त में होता है। अगर इनमें भी शीर्षक न मिले तो मूल कथ्य को पढ़कर शीर्षक तैयार किया जा सकता है।

3. शब्द संख्या से संक्षिप्तीकरण के आकार का निर्माण : शब्द संख्या से संक्षिप्तीकरण के आकार का निर्माण किया जाता है। संक्षेपक मूल अनुच्छेद को पढ़कर और उसके शब्दों की गणना कर, मूल अनुच्छेद के एक-तिहाई शब्दों में .....

संक्षेपण के उदाहरण :-

1.

इन सब के पीछे राजनीति है। यह कोई नई बात नहीं है। नालंदा विश्वविद्यालय की कई महिमा रही है। शिक्षा के क्षेत्र में

नोट – प्रिय पाठकों , **<u>यह एक sample मात्र है</u>** यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है, इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **<u>RAS मुख्य परीक्षा के</u>**

कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यह तो एक sample मात्र ही है/ ***RAS मुख्य परीक्षा के*** *कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , धन्यवाद/*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स के अन्य परीक्षाओं में रिजल्ट (Result)-

RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में से 73/74 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबरकी दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

राजस्थान SI 2021 की परीक्षा कि परीक्षा में भी कई प्रश्न आये हैं -

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (InfusionNotes) पर इसकी वीडियो देंखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

General English

Chapter – 1

Correction of Sentences

Article and Determiners

- **Article** :-

'A', 'An' एवं 'The', 'Articles' कहलाते हैं | A / An को Indefinite तथा 'The' को Definite article कहते हैं |

(A). Indefinite - A / An

(B). Definite - The

(a). यह कुर्सी है | = This is a chair.

(b). सीता ने गाना गाया |= Sita sang a song.

(c) यह छतरी है |= This is an umbrella

- इन हिंदी वाक्यों में 'एक' नहीं होते हुए भी, इनका अंग्रेजी अनुवाद करते समय हमने 'A / An ' का प्रयोग किया है |
- वाक्यों में Singular Countable Noun से पूर्व,(यदि वह अनिश्चित है) Article 'A / An' का प्रयोग अवश्य किया जाता है | इन वाक्यों का यह अनुवाद गलत है :-

(a). This is chair. (incorrect)

(b). Sita Sang song. (Incorrect)

(c). This is umbrella. (Incorrect)

ARTICLE का प्रयोग कहां होता है?

She is _____ excellent.

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- कई लोग ' excellent ' देख तुरंत 'an' का प्रयोग कर देते हैं परंतु इस वाक्य में कोई article का प्रयोग नहीं होगा क्योंकि 'excellent ' के बाद कोई noun नहीं है |

जैसे :- she is an excellent student.

Article का प्रयोग noun के पहले होता है

जैसे :- she is a student.

Noun

- अगर noun की विशेषता बताने वाला adjective वाक्य में मौजूद हो तो article का प्रयोग adjective के पहले होगा |

जैसे :- she is an excellent student.

Adj. Noun

- अगर adjective की विशेषता बताने वाला adverb भी मौजूद हो तो article का प्रयोग adverb के पहले होगा |

जैसे :- she is a very excellent student.

Adv. Adj. Noun

A, An का प्रयोग कहां किया जाता है

1. A / An का प्रयोग अनिश्चित (Indefinite) singular Noun से पूर्व किया जाता है |

(निश्चित होने पर Noun के पूर्व 'The' का प्रयोग किया जाता है)

इसलिए A / An को Indefinite articles कहा जाता है ; जैसे :-

(a). I have a car.

(b). He sang a song

(c). This is an orange.

(d). RAM is a student.

FREE SAMPLE

2. जिस शब्द के पूर्व 'A /An' का प्रयोग करना है, यदि उस शब्द के उच्चारण की प्रथम ध्वनि (first sound of pronunciation) स्वर है तो 'An' का प्रयोग होगा | यदि यह ध्वनि व्यंजन है, तो 'a' का प्रयोग होगा |

(a). अंग्रेजी भाषा में A,E,I,O,U को स्वर (vowels) माना गया है | कई शब्द इन Vowels से शुरू तो हो सकते हैं,लेकिन मुख्य बात है, उस शब्द के उच्चारण की | हिंदी वर्णमाला के अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ, स्वर माने जाते हैं |

An Umbrella - अंब्रेला
A Union - यूनियन
A One rupee note - वन
A ewe - यू
An honest man - ऑनेस्ट

- शब्द का प्रथम letter क्या है, यह महत्वपूर्ण नहीं है | महत्वपूर्ण है, उसके उच्चारण की प्रथम ध्वनि (first sound of pronunciation) |

(b). अंग्रेजी भाषा में एक अक्षर, कई प्रकार की ध्वनि हेतु प्रयुक्त होते हैं | जिन अक्षरों को स्वर (A, E, I, O, U) माना गया है, उनका उच्चारण बहुत बार व्यंजन (Consonant) स्वर का उच्चारण देते हैं | हो सकता है शब्द का प्रथम अक्षर M, F, H इत्यादि हो, लेकिन उच्चारण की प्रथम ध्वनि स्वर हो | ऐसे शब्दों के पूर्व an का प्रयोग होगा |

ABBREVIATION में भी उच्चारण के अनुसार चलें |

जैसे :-

(a). He is **an** MLA /MP (एम.एल.ए. / एम.पी)

(b). He lodged **an** FIR. (एफ.आई.आर.)

(C). He is **an** IAS officer. (आई.ए. एस.)

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

(d). He is **an** SDO. (एस.डी. ओ)

(e). I have **an** X-ray machine. (एक्स-रे)

(f). She in **an** LLB. (एल. एल.बी.)

(g). I have been waiting for **an** hour. (आवर)

(h). He is **an** heir to the throne. (एयर)

नोट – प्रिय पाठकों , **यह एक sample मात्र है** यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है, इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **RAS मुख्य परीक्षा के** कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यह तो एक sample मात्र ही है/ **RAS मुख्य परीक्षा के** कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , धन्यवाद/

FREE SAMPLE

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स के अन्य परीक्षाओं में रिजल्ट (Result)-

RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में से 73/74 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबरकी दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

राजस्थान SI 2021 की परीक्षा कि परीक्षा में भी कई प्रश्न आये हैं -

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (InfusionNotes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

- **Modal Verbs –**

Modals एक ऐसी सहायक क्रिया है जो वाक्यों के फार्मेशन यानि बनावट में मदद करती है. इन्हें सामान्यतः Modal Auxiliary verb या केवल Modal verb के नाम से जाना जाता है/ कहतें हैं।

इसका प्रयोग वाक्य के मुख्य क्रिया के साथ समर्थता, संभावना, गुण, आज्ञा, संभावना, आवश्यकता आदि को व्यक्त करने के लिए किया जाता है.

There are two types of auxiliary Verbs in English grammar.

(i) Primary auxiliary

(ii) Modal auxiliary

(i) Primary auxiliary:- इसके अन्तर्गत Be (is, are, am was, were), Do (do, does did) तथा Have (has, have, had) सहायक क्रियायें आती हैं। इनका मुख्य तथा सहायक क्रिया, दोनों ही रूपों में प्रयोग किया जाता है। ये सहायक क्रियायें काल (tense), वचन (number) व पुरुष (person) से प्रभावित होती हैं।

(i)Modal auxiliary :- ये सहायक क्रियायें मुख्य क्रिया की प्रवृत्ति को और अधिक स्पष्ट करती हैं, तथा मनः स्थिति को व्यक्त करती हैं । ये सहायक क्रियायें काल (tense), वचन (number) व पुरुष (person) से प्रभावित नहीं होती हैं। Modal के साथ हमेंशा क्रिया की I form का प्रयोग किया जाता है।

Modals का प्रयोग निम्न प्रकार से किया जाता है

I. May

May का अर्थ होता है सकना

Factual probability, Possibility (तथ्यात्मक सम्भावना) के लिए MAY का प्रयोग किया जाता है।

Example:

आज वर्षा हो सकती है। it is likely to rain today

It is possible that it will rain today.

It will probably rain today.

it may rain today.

To seek permisson(आज्ञा लेना) के लिए MAY का प्रयोग किया जाता है।

Example

क्या मैं अन्दर आ सकता हूँ?

May I come in?

क्या मैं तुम्हारा पैन काम में ले सकता हूँ?

May I use your pen?

Good wishes, Blessing, Hope (शुभ कामनाएँ, आशिर्वाद) के लिए MAY का प्रयोग किया जाता है।

Example:

ईश्वर तुम्हें लम्बी आयु दें।

I wish you a long life.

May you live long!

ईश्वर आपको खुश रखें।

May you live happily!

Purpose (उद्देश्य) के लिए MAY का प्रयोग किया जाता है।

Example:

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

· कठोर परिश्रम करो ताकि तुम पास हो सको ।

Work hard so that you may pass.

2. Might

May के past के रूप में MIGHT का प्रयोग किया जाता है

Example:

कल शायद वर्षा हो।

It Might rain tomorrow.

उसने कठोर परिश्रम किया शायद वह पास हो जाए।

He worked hard so that he might pass.

To show lesser possibility कम सम्भावना व्यक्त करने के लिए MIGHT का प्रयोग किया जाता है ।

Example:

· उसकी पार्टी में आने की सम्भावना है।

He might attend the party.

· वह शायद भूखा होगा।

He might be hungry.

3. Can

Can का अर्थ होता है सकना

To show ability, capacity, Skill (योग्यता व क्षमता दर्शाने में) के लिए can का प्रयोग किया जाता है ।

Example:-

मैं अंग्रेजी बोल सकता है।

I am capable of speaking English.

I can speak English

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

वह तुम्हारी समस्या सुलझा सकता है।

He is able to solve your problem.

He can solve your problem.

To give permission (आज्ञा देना) के लिए can का प्रयोग किया जाता है।

Example:

तुम जा सकते हो।

You are allowed to go.

You can go.

To show theoretical possibility (सैद्धान्तिक सम्भावना दर्शाने में) can का प्रयोग किया जाता है।

Example:-

धुम्रपान से कैंसर हो सकता है।

Smoking can cause cancer.

4.Could

To show past ability (भूतकाल की योग्यता दर्शाने में) could का प्रयोग किया जाता है।

Example:

जब वह विद्यालय में था तब वह अंग्रेजी बोल सकता था।

He was able to speak English, when he was at school.

He could speak English, when he was at school.

वह मेरी समस्या नहीं सुलझा सका।

He could not solve my problem.

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

To show lesser possibility (कम सम्भावना व्यक्त करने में) could का प्रयोग किया जाता है।

Example

रवि ऑफिस में हो सकता है।

ravi could be at office.

कुछ भी हो सकता है।

Anything could be happen.

Optative sentence (आज्ञासूचक वाक्यों में) Can से अधिक नम्र रूप में could का प्रयोग किया

नोट – प्रिय पाठकों , **यह एक sample मात्र है** यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है, इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **RAS मुख्य परीक्षा के** कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यह तो एक sample मात्र ही है/ **RAS मुख्य परीक्षा के** कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , धन्यवाद/

FREE SAMPLE

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स के अन्य परीक्षाओं में रिजल्ट (Result)-

RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में से 73/74 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबरकी दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

राजस्थान SI 2021 की परीक्षा कि परीक्षा में भी कई प्रश्न आये हैं -

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (InfusionNotes) पर इसकी वीडियो देंखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

Chapter – 5

Narration – Direct & Indirect

DIRECT SPEECH

जब कोई व्यक्ति किसी वक्ता के कहे हुए कथन को बिना किसी परिवर्तन के अभिव्यक्त कर दें तो वह Direct Speech कहलाता है।

जैसे: Ram says , "I work hard."

INDIRECT SPEECH

जब कोई व्यक्ति किसी वक्ता के कथन को अपने शब्दों में कुछ जरूरी परिवर्तन कर प्रस्तुत करें तो वह Indirect Speech

जैसे: Ram says that he works hard.

ASSERTIVE SENTENCES (कथनात्मक वाक्य)

He says, "I work hard." (Direct Speech)

He says that he works hard. (Indirect speech)

ASSERTIVE SENTENCES को DIRECT से INDIRECT SPEECH में परिवर्तन करने के नियम:-

Comma एवं inverted commas को हटाएँ और Conjunction 'that' का प्रयोग करें।

Pronoun नीचे दिए गए नियमानुसार परिवर्तित करें।

1. First Person को Reporting Verb के Subject के अनुसार बदलते हैं।

2. Second Person को Reporting Verb के Object के अनुसार बदलते हैं।

3. Third Person को Reporting Verb में कोई भी बदलाव नहीं किया जाता है।

Ist person	I	me	My
	we	us	our

FREE SAMPLE

IInd person	you	you	your
IIIrd person	He	him	his
	She	her	her
	they	them	their
	it	it	its

CHANGE THE TENSE

यदि Direct speech को Indirect speech में बदलते समय Reporting verb में Present tense या Future tense हो, तो Reported speech के Tense में कोई भी बदलाव नहीं होता है, केवल जरुरत के हिसाब से Pronoun को Change किया जाता है। लेकिन यदि Reporting verb, Past tense में हो, तो Reported speech के Tense को निम्नलिखित प्रकार से Change किया जाता है

1.	V_I	-	V_{II}
2.	do not / does not	-	did not
3.	is / am / are	-	was / were
4.	has / have	-	Had
5.	has been / have been	-	Had been
6.	V_{II}	-	Had + V_3
7.	did not + V_I	-	Had not + V_3
8.	was / were	-	Had been
9.	Had	-	No change
10.	Had been	-	No change
11.	will / shall	-	Would
12.	Can	-	Could
13.	may	-	might

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

14. this - that

Direct speech को Indirect speech में बदलते समय Reporting verb यदि Past tense में हो तो Reported speech में उपयोग होने वाला निकटता सूचक शब्द और दूरी सूचक शब्द और समय को दर्शाने वाले शब्द निम्नलिखित प्रकार से Change किया जाता है।

DIRECT	INDIRECT
This	That
These	Those
Here	There
Hence	Thence
Now	Then
Thus	So
Today	That Day
Yesterday	The previous day / The day before
The day before yesterday	Two days before

Tomorrow	The next day / The following day
Tonight	That night
This day	That day
The day after tomorrow	In two days, Time
Last week	The previous week / The week before
Last month	The previous month / The month before
Last year	The previous yaer / The year before
Last night	The previous night / The night before
Last day	The previous day / The day before
Next week	The following week
Next month	The following month
Next year	The following yaer
Next night	The following night
Next day	The following day

A year ago	A year before

(A) Direct से Indirect बनाते समय I व II person को III में बदलेंगे।

(B) यदि प्रश्न में III person का कोई pronoun आया तो उसे नहीं बदलेंगे उसे ज्यों का त्यों लिख देंगे.

Ex. Anil said to Riya, " I call my and your friends".

Ind. - Anil told Riya that He called his.....

नोट – प्रिय पाठकों , **यह एक sample मात्र है** यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है, इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **RAS मुख्य परीक्षा के** कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यह तो एक sample मात्र ही है/ **RAS मुख्य परीक्षा के** कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , धन्यवाद/

FREE SAMPLE

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स के अन्य परीक्षाओं में रिजल्ट (Result)-

RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में से 73/74 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबरकी दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

राजस्थान SI 2021 की परीक्षा कि परीक्षा में भी कई प्रश्न आये हैं -

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (InfusionNotes) पर इसकी वीडियो देंखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

Chapter – 7

Phrasal Verbs & Idioms

1.carpeteeping statement - Thoughtless statement - व्यापक बयान

2.All at sea - puzzled - आश्चर्यचकित

3.Enough rope - Enough freedom for action - कार्य करने की स्वतंत्रता देना

4.By fits and start - irregularly - अनियमित

5.Fell foul of - Got into trouble with - दुविधा में फसना

6.Token strike - short strike held as waring - बड़ी हड़ताल की चेतावनी

7.Face the music - Get reprimanded – डांट खाना / आलोचना खेलना

8.Look down upon - Hate intensely - घृणा करना

9.Flogging a dead horse -
wasting time in useless effort - बेकार कार्य में समय बर्बाद करना

10.under a cloud - under suspicion - शक के दायरे में

11.Green thumb - To have a natural interest / स्वाभाविकता

12.played havoc - caused destruction / तबाही मचाना

13.No love lost between - Not on good terms / संबंधों में खटास होना

14.Fair and square - Honest / ईमानदार

15.A white elephant -costly or troublesome possession/ महँगी और व्यस्त वस्तु

16.Out and out -Totally / पूर्णतयः

17. On the cuff - On credit / उधारी पर

18.Does not hold water - cannot be believed / विश्वास करने के अयोग्य

19. A wild goose chase - Futile search / व्यर्थ प्रयास

20. In a tight corner - In a difficult situation / कठिन परिस्थिति में

FREE SAMPLE

21. Going places - Talented and successful / प्रतिभाशाली और सफल व्यक्ति

22. In cold blood - A murder done with intention / निर्गम हत्या

23. Off and on - Occasionally / कभी-कभी

24.Hart and fast - strict / सख्त

25. Took to heels - Run away in fear / डर कर भागना

26. To keep up - To keep in touch / संपर्क में रहना

27. Make a clean breast - confess without reserve / बिना झिझक या डर के जुर्म या गलती कबूलना

28. Heads will roll - Transfers will take place / स्थानांतरण होना

29. Make no bones about - Do not have any hesitation in anything / बेझिझक

30. Take after - Resembles / समान होना

31. To stave off - postpone / टाल देना

32. To give a piece of mind - To reprimand / फटकारना

33. Rest on laurels - To be complacent / पुरानी उपलब्धियों का गुणगान करना

34. Pay through nose - Pay an extremely high price / अत्यधिक मूल्य भरना

35. Draw on fancy - Use imagination / कल्पना करना

36.Turn an honest living - Make an legitimate living / ईमानदारी से जीना

37.Give the game away - Give out the secret / राज खोलना

38.cheek by jowl - Very near / बहुत नजदीक

39.Give in - yield / हार मानना

40. Run riot - Act without restraint / स्वतंत्रता का हनन करना

41. Go through fire and water - Undergo any risk / कोई भी खतरा मोल लेना

run. Talking through hat - Talking nonsense / बकवास करना

43. Put up with - Tolerate / बर्दाश्त करना

44. By fits and starts - Irregularly / अनियमित

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

45. Reading between the lines - Understanding the hidden meaning / छुपे हुए अर्थ को समझ लेना

46. Get the sack - Dismissed from / बर्खास्त हो रहा

47. Pros and cons - considering all the facts / सारे पहलुयो को जांचना

48.By leaps and bounds - very quickly / शीघ्रता से

49. In the good books - In favour with boss / अच्छे संबंध बनाए रखना

50. In the long run - Ultimately / आखिरकार

51. To be always one's beck and call - At one's disposal (Ready to serve one'smaster) / आज्ञा में हाजिर रहना

52. Turn a deaf ear - Disregard / Ignore / Refuse / अनुशासन करना

53. At one's Wait 's end - Puzzled / Confused / Perplexed / चकित

54. To fight tooth and nail - To fight in a determined way for what you want / दृढ़ता के साथ संघर्ष करना

55.The green - eyed monster - Used as a way of talking about jealousy / ईर्ष्यालु

56. Set the record straight - Give a correct account / सही ब्यौरा देना

57. Good samaritan - Helpful person / परोपकारी व्यक्ति

58. Bad blood - Angry feeling / संबंधों में खटास होना

59. To go to the whole hog - To do it completely / पूर्ण करना

60. Lay out - spend / खर्च करना

61. Laying off - Dismissal from jobs / अस्थायी तौर पर निकाल देना

62. By leaps and bounds - At rapid pace / दिन दूनी और रात चौगुनी

63. Spilling the beans - Revealing the information indiscreetly / राज उजागर करना

64. Carry out - Execute / आज्ञा का पालन

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , **<u>यह एक sample मात्र है</u>** यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है, इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **<u>RAS मुख्य परीक्षा के</u>** कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यह तो एक sample मात्र ही है/ **<u>RAS मुख्य परीक्षा के</u>** कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , धन्यवाद/

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स के अन्य परीक्षाओं में रिजल्ट (Result)-

RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में से 73/74 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबरकी दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

राजस्थान SI 2021 की परीक्षा कि परीक्षा में भी कई प्रश्न आये हैं -

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (InfusionNotes) पर इसकी वीडियो देंखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

FREE SAMPLE

Chapter – 10

Comprehension of an Unseen Passage

कॉम्प्रिहेंशन क्या हैं?-

कॉम्प्रिहेंशन का अर्थ होता हैं – समझने में सक्षम या योग्यता / कॉम्प्रिहेंशन का उद्देश्य छात्रो को PASSAGE समझाने में मदद करना हैं और VOCABULARY एवं PASSAGE को समझकर प्रश्न के सटीक उत्तर देने की सक्षमता को जाँच करना हैं /

PASSAGE के शब्दों के आधार पर हम कॉम्प्रिहेंशन को दो भागो में विभाजित कर सकते हैं

i. SHORT PASSAGE
ii. LENGTHY PASSAGE

SHORT PASSAGE में लगभग 200 से 400 शब्दों होते हैं जबकि कि LENGTHY PASSAGE में शब्दों की संख्या 2000 तक होते हैं /

एग्जाम में कॉम्प्रिहेंशन से संबंधित DESCRIPTIVE एवं OBJECTIVE दोनों तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं /

कुछ एग्जाम में पूछे गये DESCRIPTIVE प्रश्नों का उत्तर इसमें से ही ध्यान से पढकर देना होता हैं और OBJECTIVE प्रश्नों में, प्रश्न में दिए गये चार – पांच उत्तरों में से सही को चुनना होता हैं एवं VOCABULARY से संबंधित प्रश्न जैसे : SYNONYM और ANTONYM भी आते हैं / कही बार कॉम्प्रिहेंशन में प्रयुक्त IDIOMS, VERBAL PHRASES का भी अर्थ पूछा जाता हैं / कॉम्प्रिहेंशन का उद्देश्य छात्र की अंग्रेजी भाषा को ना केवल पढने/समझने के साथ में IDIOMS, VERBAL PHRASES इत्यादि की जाच करता हैं/

पहले PASSAGE के प्रश्न को ध्यान एवं तेजी से पढ़े फिर PASSAGE को ऐसे ही पढ़े / जैसे ही कोई उत्तर दिखाई दे, उसे ध्यान से पढ़कर उत्तर देना चाहिए/ इसका उपयोग

FREE SAMPLE

कम समय में अधिक उत्तर देने के लिए करे / इस तरह अच्छे अंक के लिए छात्र को ANALYTICAL POWER की ज़रूरत होती हैं /

यदि छात्र के पास उपयुक्त समय हैं तो वो PASSAGE और प्रश्न को ध्यान से पढ़े फिर एक बार PASSAGE को पढ़ते हुए, जहाँ भी प्रश्न के उत्तर दिखाई दे वहा पर NUMBERING कर लेनी चाहिए /

PASSAGE को ध्यान से पढने से आपको उसकी THEME, IDEA का ज्ञान हो जाएगा / अगर फिर भी समझ में ना आये तो पुनः उसे पढ़े फिर उत्तर दे/ जहाँ तक संभव हो उत्तर को सटीक लिखने की कोशिश करे/ अगर उत्तर देने के लिए कोई शब्द सीमा हैं तो उसका ध्यान ज़रूर रखे / प्रश्न का उत्तर कभी भी BECAUSE या THEREFOR से शुरू नही करना चाहिए/ उत्तर का विशेष ध्यान रखे की वो PASSAGE से ही संबंधित हो / उत्तर लिखेते समय GRAMMATICALY एवं WORD भी सही होना चाहिए/

कही बार किसी WORD को EXPLAIN करने के लिए कहा जाता हैं इनके उत्तर लिखने के लिए आपका EXPLAIN भी अच्छी होनी चाहिए और उत्तर को जितना हो सके उसे साधारण रखने की कोशिश करे/

I. Read the following passage carefully.

I. That large animals require luxuriant vegetation has been a general assumption which has passed from one work to another, but I do not hesitate to say that it is completely false and that it has vitiated the reasoning of geologists on some points of great interest in the ancient history of the world. The prejudice has probably been derived from India, and the Indian islands, where troops of elephants, noble forests, and impenetrable jungles are associated together in everyone's mind. If, however, we refer to any work of travels through the southern parts of Africa, we shall find allusions in almost every page either to the desert

character of the country or to the numbers of large animals inhabiting it. The same thing is rendered evident by the many engravings which have been published in various parts of the interior.

2. Dr Andrew Smith, who has lately succeeded in passing the Tropic of Capricorn, informs me that taking into consideration the whole of the southern part of Africa, there can be no doubt of its being a sterile country. On the southern coasts, there are some fine forests, but with these exceptions, the traveller may pass for days together through open.....

A. On the basis of your understanding of the passage, answer the following questions by choosing the most appropriate option. (1 × 5 = 5 marks)

Question (i)

What is the primary concern of the author?

(a) Discussing the relationship between the size of mammals and the nature of vegetation in their habitats

(b) Contrasting ecological conditions in India and Africa

(c) Proving that large animals do not require much food

(d) Describing the size of animals in various parts of the world

Answer:

(a) Discussing the relationship between the size of mammals and the nature of vegetation in their habitats

Question (ii)

According to the author, what has led to the 'prejudice'?

(a) Errors in the reasoning of biologists

(b) False ideas about animals in Africa

(c) Incorrect assumptions on the part of geologists

(d) Doubt in the mind of the author

Answer:

(b) False ideas about animals in Africa

Question (iii)

Why are the flocks of migratory birds mentioned in the passage?

(a) To describe an aspect of the fauna of South Africa

(b) To illustrate a possible source of food for large carnivores

(c) To contrast with the habits of the antelope

(d) To suggest the size of antelope herds

Answer:

(c) To contrast with the habits of the antelope

Question (iv)

Why does Darwin quote Burchell's observations?

(a) To counter a popular misconception

(b) To describe a region of great splendour

(c) To prove a hypothesis

(d) To illustrate a well-known phenomenon

Answer:

(d) *To illustrate a well-known phenomenon*

Question **(v)**

*नोट – प्रिय पाठकों , **यह एक sample मात्र है** यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है, इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **RAS मुख्य परीक्षा के** कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यह तो एक sample मात्र ही है/ **RAS मुख्य परीक्षा के** कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , धन्यवाद/*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स के अन्य परीक्षाओं में रिजल्ट (Result)-

RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में से 73/74 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबरकी दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

राजस्थान SI 2021 की परीक्षा कि परीक्षा में भी कई प्रश्न आये हैं -

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (InfusionNotes) पर इसकी वीडियो देंखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

Chapter – 13

Paragraph Writing :-

What is Paragraph?

एक Paragraph एक विषय से संबंधित वाक्यों का एक संग्रह है या हम कह सकते हैं कि एक Paragraph विचारों की एक इकाई है जिसमें एक विचार पर्याप्त रूप से विकसित होता है। एक Paragraph में निम्नलिखित में से प्रत्येक को शामिल करें: एकता, सुसंगतता, एक विषय वाक्य और पर्याप्त विकास। ये सभी लक्षण एकजुलते हैं-दूसरे से मिलते-, इसलिए इनका उपयोग करना और इन्हें हमारे विशिष्ट उद्देश्य के अनुकूल बनाना हमें प्रभावी Paragraph बनाने में मदद करेगा।

(1) **एकता (Unity)** : पूरे पैराग्राफ को एक ही केंद्र-बिंदु के साथ संबंधित होना चाहिए। यदि यह एक फोकस या चर्चा के प्रमुख बिंदु से शुरू होता है, तो इसे दूसरे बिंदु के साथ समाप्त नहीं होना चाहिए या विभिन्न विचारों में भटकना नहीं चाहिए।

(2) **सुसंगतता (Coherence)**: सुसंगतता वह गुण है जो पाठक को अनुच्छेद को आसानी से समझने योग्य बनाता है। एक ही विचार को एक वाक्य से दूसरे वाक्य तक ले जाकर आपके पैराग्राफ में सुसंगतता बनाई या बनाए रखी जा सकती है। ये वाक्य मुख्य विचार से संबंधित हैं और मुख्य विचार के बारे में अधिक जानकारी देते हैं। इन वाक्यों में शामिल हैं, तथ्य, विवरण, स्पष्टीकरण, कारण, उदाहरण सहित चित्रण ।

(3) **एक विषय वाक्य**: (मुख्य विचार वाक्य) एक विषय वाक्य एक वाक्य है जो सामान्य रूप से इंगित करता है कि अनुच्छेद किस विचार या theme से व्यवहार कर रहा है। हालांकि सभी पैराग्राफ में स्पष्ट विषय या मुख्य विचार वाक्य नहीं होते हैं, और इस तथ्य के बावजूद कि विषय वाक्य पैराग्राफ में कहीं भी हो सकते हैं

(जैसा कि पहला वाक्य, अंतिम वाक्य, या कहीं बीच में), यह सुनिश्चित करने का एक आसान तरीका है आपका पाठक समझता है कि पैराग्राफ का विषय पैराग्राफ की शुरुआत के करीब अपने विषय वाक्य को रखना है।

एक मुख्य विचार वाक्य (विषय वाक्य) निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर देता है:

Paragraph किस बारे में है?

मैं मुख्य बात क्या कहना चाहता हूँ?

मैं क्या कहना चाहता हूँ?

पर्याप्त विकास (Adequate development) : विषय (जिसका परिचय विषय वाक्य से होता है) पर पूरी तरह और पर्याप्त रूप से चर्चा की जानी चाहिए। फिर, यह एक पैराग्राफ से दूसरे पैराग्राफ में भिन्न होता है, लेकिन यह पूरी तरह से लिखने के उद्देश्य और परीक्षा की मांग पर निर्भर करता

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , **यह एक sample मात्र है** यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है, इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **RAS मुख्य परीक्षा के** कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यह तो एक sample मात्र ही है/ **RAS मुख्य परीक्षा के** कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , धन्यवाद/

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स के अन्य परीक्षाओं में रिजल्ट (Result)-

RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में से 73/74 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबरकी दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये

पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

राजस्थान SI 2021 की परीक्षा कि परीक्षा में भी कई प्रश्न आये हैं -

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (InfusionNotes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें ।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

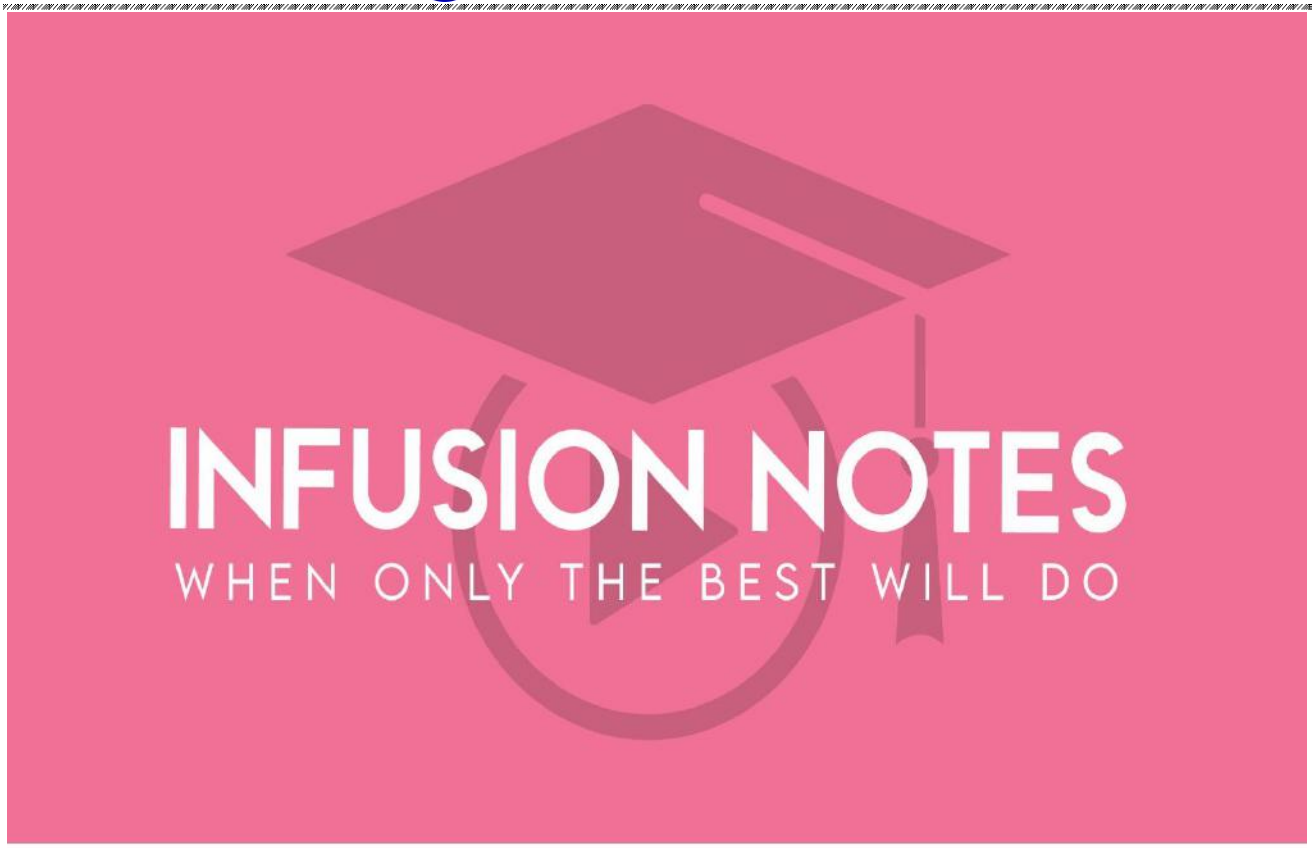

AVAILABLE ON/

01414045784

contact@infusionnotes.com

http://www.infusionnotes.com/